विंड पावर प्रोजेक्ट से मिलेगी बीआरपीएल को 100 मेगावॉट बिजली

- दर होगी सिर्फ 3.46 रूपये प्रति यूनिट
- 25 साल तक मिलेगी बिजली

नई दिल्ली: 4 मई, 2017। बीएसईएस राजधानी पावर लिमिट – बीआरपीएल– ने पावर ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड यानी पीटीसी से 100 मेगावॉट विंड पावर खरीदने के लिए एक समझौता किया है। नई दिल्ली में चल रही एक कॉन्फ्रेंस के दौरान यह समझौता हुआ है। बीआरपीएल, दिल्ली की एकमात्र डिस्कॉम है, जिसने विंड पावर की खरीद के लिए एमओयू साइन किया है। जल्द ही, वह पीटीसी के साथ विधिवत् बिजली खरीद का अग्रीमेंट भी साइन करेगी।

बीआरपीएल को यह बिजली अब से करीब 18 माह के बाद यानी 18 नवंबर, 2018 से मिलनी शुरू होगी। विंड पावर प्रोजेक्ट की 100 मेगावॉट बिजली बीआरपीएल को अगले 25 सालों तक मिलती रहेगी। वह भी 3.46 रूपये प्रति यूनिट की की बेहद प्रतियोगितात्मक दर पर। उल्लेखनीय है कि यह विंड पावर के लिए देश में अब तक की सबसे कम दर है।

यह समझौता, आरपीओ यानी रिन्युएबल पावर ऑब्लिगेशन के लक्ष्यों को हासिल करने में भी बीआरपीएल को मदद करेगा। गौरतलब है कि भारत सरकार ने नैशनल टैरिफ पॉलिसी 2016 के माध्यम से आरपीओ को रिवाइज किया है।

अब बीआरपीएल को कोयला आधारित व हाइड्रो पावर प्लांट्स के अलावा, न्यूक्लियर प्लांट्स, वेस्ट टु एनर्जी प्लांट्स, सोलर प्लांट्स तथा अब विंड पावर प्लांट्स से भी बिजली मिलेगी। बीआरपीएल के लिए बिजली के स्रोतों में इजाफा हो जाएगा और एकसाथ कई स्रोतों से उसे बिजली मिल रही होगी।

दरअसल, तमिलनाडु और गुजरात में 1000 मेगावॉट के विंड पावर प्रोजेक्ट्स लगाए जा रहे हैं। चार कंपनियों ने बिड्स जीतकर ये प्रोजेक्ट्स हासिल किए हैं। माइत्राह, सेम्बकॉर्प और इनॉक्स तमिलनाडु में प्रोजेक्ट्स लगाएंगी, जबकि ऑस्ट्रो एनर्जी गुजरात में प्रोजेक्ट स्थापित करेगी।

एमएनआरई स्कीम के तहत 1000 मेगावॉट इंटर स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम यानी आईएसटीएस कनेक्टेड विंड पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए नई दिल्ली में चल रहे कॉन्फ्रेंस ऑफ पावर, न्यू एंड रिन्युएबल एंड माइन्स मिनिस्ट्रीज ऑफ स्टेट्स एंड यूटीज के दौरान बीआरपीएल ने विंड पावर के लिए यह समझौता किया है।

प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।